पाठ-7

दक्षिण के राज्य

मुहम्मद बिन तुगलक के शासन काल के अंतिम दिनांे में सल्तनत का दक्षिणी भारत पर अधिकार कमजोर हो गया परिणामस्वरूप सल्तनत के अधीन प्रान्तों के इक्तादारों ने अपने को स्वतंत्र कराने के प्रयास शुरू कर दिए जिससे दक्षिण में बहमनी तथा विजयनगर जैसे राज्यों की स्थापना हुई।

गोलकुण्डा का किला

बहमनी राज्य

मुहम्मद बिन तुगलक के एक अधिकारी हसन गंगू ने बहमनी राज्य की नींव डाली। सन् 1347 ई0 में हसन ने सुल्तान के विरुद्ध विद्रोह करके दौलताबाद पर अपना अधिकार कर लिया और बहमनी राज्य को स्वतंत्र राज्य घोषित कर दिया। उसने बहमन शाह की उपाधि धारण की और वह इस राजवंश का पहला शासक बना। उसने अपने राज्य को चार प्रान्तों में बाँटा - गुलबर्ग, दौलताबाद, बरार तथा बीदर। उसने गुलबर्ग को अपनी

राजधानी बनाया। कृष्णा नदी तक का सम्पूर्ण उत्तरी दक्खन बहमनी राज्य के अन्तर्गत था।

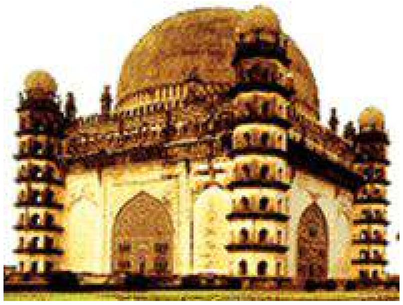

गोल गुम्बद, बीजापुर

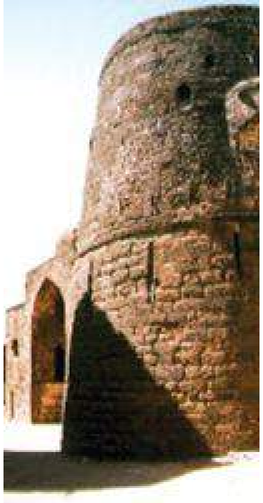

दौलताबाद का किला

इस वंश का महानतम शासक फिरोजशाह था। वह बड़ा योग्य, न्यायप्रिय, विद्यानुरागी एवं आश्रयदाता था। अनेक शासकों ने बहमनी राज्य पर शासन किया किन्तु ये शासक अधिकतर युद्धों तथा आपसी झगड़ों में फँसे रहे। बहमनी राज्य का प्रसिद्ध प्रशासक वहाँ का वज़ीर महमूद गवाँ था। उसके पश्चात् बहमनी राज्य का विघटन शुरू हो गया।

बहमनी राज्य टूटकर पाँच राज्यों में बँट गया - अहमदनगर, गोलकुण्डा, बीजापुर, बरार और बीदर।

विजयनगर साम्राज्य

बहमनी राज्य के दक्षिण में विजयनगर का राज्य था। हरिहर और बुक्का नाम के दो भाइयों ने इस राज्य की नींव डाली। उन्होंने भी सल्तनत की घटती हुई शक्ति का अनुभव किया। इन्होंने होयसल राज्य (आधुनिक मैसूर) के क्षेत्र को जीता और सन् 1336 ई0 में अपने को विजयनगर राज्य का स्वतंत्र शासक घोषित कर दिया। उन्होंने हस्तिनावती (आधुनिक हम्पी) को अपनी राजधानी बनाया। कृष्णदेव राय विजयनगर राज्य के महत्वपूर्ण शासक थे।

बीदर का किला

यदि बहमनी और विजयनगर में मित्रता का सम्बंध होता तो वे शक्तिशाली राज्य बन सकते थे पर दुर्भाग्य से उनमें सदैव युद्ध होता रहता था। इसके कई कारण थे-

कृष्णदेव राय

दोनों राज्य रायचूर दोआब को अपने राज्य का हिस्सा मानते थे। यह 'कृष्णा और तुंगभद्रा' नदियों के बीच में स्थित उपजाऊ भू-भाग था जो दोनों राज्यों के बीच में स्थित था।

बहमनी राज्य के गोलकुण्डा क्षेत्र में हीरे की खानें थीं और विजयनगर के शासक गोलकुण्डा को जीतना चाहते थे।

रथ मंदिर, हम्पी

दोनों राज्यों के शासक बड़े महत्वाकांक्षी थे और सम्पूर्ण प्रायद्वीप पर अपना अधिकार चाहते थे।

ये युद्ध इन्हीं दो बड़े राज्यों तक सीमित नहीं रहे। पूर्वी समुद्रतट पर उड़ीसा, आंध्र और मदुरई आदि बहुत से छोटे-छोटे राज्य थे। इन राज्यों पर लगातार बहमनी या विजयनगर के शासक आक्रमण करते रहे। विजयनगर ने सन् 1370 ई0 में मदुरई को जीत लिया। पश्चिमी किनारे पर भी विजयनगर क्रियाशील रहा। रेवातिद्वीप (आधुनिक गोवा) एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र था जिस पर उसने अधिकार कर लिया। इस बीच बहमनी राज्य अपने उत्तरी पड़ोसी राज्यों-मालवा और गुजरात से युद्ध करने में लगा हुआ था।

ये सभी राज्य शक्तिशाली बन गए क्योंकि इनके धन प्राप्त करने के दो साधन थे। पहला भूमि का लगान था। रायचूर जैसे उपजाऊ क्षेत्र में इस साधन से बहुत बड़ी मात्रा में धन प्राप्त होता था।

दूसरा साधन व्यापार था। गुजरात और बंगाल को समुद्र पार के देशों से व्यापार में बड़ा लाभ होता था। वे पश्चिमी एशिया, पूर्वी अफ्रीका, दक्षिणी-पूर्वी एशिया के देशों और चीन के साथ व्यापार करते थे। बहमनी और विजयनगर भी इस व्यापार में भाग लेते थे। राजस्थान और मालवा भी आंतरिक व्यापार से वैभवशाली बन गए। व्यापार का माल देश के विभिन्न भागों में ले जाया जाता था। अतः व्यापारी प्रायः इन क्षेत्रों में यात्राएँ किया करते थे जिससे इन क्षेत्रों में संस्कृति का आदान-प्रदान हुआ और इन राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य, वास्तुकला, चित्रकला और नवीन धार्मिक विचारों का विकास हुआ

और भी जानिए

- फिरोज शाह बहमनी ने खगोलशास्त्र को प्रोत्साहन दिया और दौलताबाद में एक वेधशाला बनवायी।
- ईरानी यात्री अब्दुर्रज़्ज़ाक 1442 ई0 से 1443 ई0 तक विजयनगर में रहा।
- इतालवी यात्री डोमिंगो पाएस, कृष्णदेव राय के राज्य दरबार में अनेक वर्षों तक रहा।
- प्रथम बार तोपखाने का प्रयोग बहमनी और विजयनगर के युद्ध में हुआ था।

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) बहमनी वंश का संस्थापक कौन था ?

(ख) बहमनी राज्य टूटकर कौन-कौन से राज्यों में बँट गया ?

(ग) विजयनगर साम्राज्य की नींव किसने रखी थी ?

(घ) बहमनी एवं विजयनगर राज्यों में किन कारणों से युद्ध होता रहता था ?

(ङ) कृष्णदेव राय के बारे में आप क्या जानते हैं?

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) हसन गंगू (बहमन शाह) ने .... को राजधानी बनाया।

(ख) विजयनगर साम्राज्य की राजधानी .... थी।

(ग) विजयनगर साम्राज्य का प्रमुख शासक .... था।

(घ) रायचूर दोआब कृष्णा और .... नदियों के बीच का क्षेत्र था।

3. सही जोड़े मिलाइए-

(क)	(ख)
क. होयसल राज्य	आधुनिक गोवा
ख. हस्तिनावती	आधुनिक हम्पी
ग. रेवातिद्वीप	आधुनिक मैसूर

प्रोजेक्ट वर्क

भारत का मानचित्र देखकर वर्तमान दक्षिण भारत के किन्हीं चार राज्यों व उनकी राजधानियों की सुमेलित सूची बनाइए।